# सोलह महाजनपद – प्रमुख राज्यों का संक्षिप्त विवरण

बौद्ध और जैन धार्मिक ग्रन्थों से पता चलता है कि ईसा पूर्व छठी शताब्दी का भारत अनेक छोटे-छोटे राज्यों में विभक्त था. उस समय उत्तरी भारत में सोलह महाजनपद (Sixteen Mahajanapada) अर्थात् बड़े राज्यों का अस्तित्व था. ये राज्य बड़े राज्य इसलिए कहलाते थे क्योंकि इनका आकार वैदिक युगीन कबीलाई राज्यों से बड़ा था. कबीलाई राज्यों के स्थान पर महाजनपद (या जनपद राज्य) इसलिए बने क्योंकि लोहे के प्रयोग के कारण युद्ध अस्त्र-शस्त्र और कृषि उपकरणों द्वारा योद्धा और कृषक अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक सफलता पा सके. महाजनपद कालीन प्रमुख राज्यों की राजधानी (capitals) को इंगित करते हुए उनके इकाइयों का संक्षिप्त विवरण (Brief Information) नीचे दिया गया है.

**सोलह महाजनपद और उनकी राजधानी**

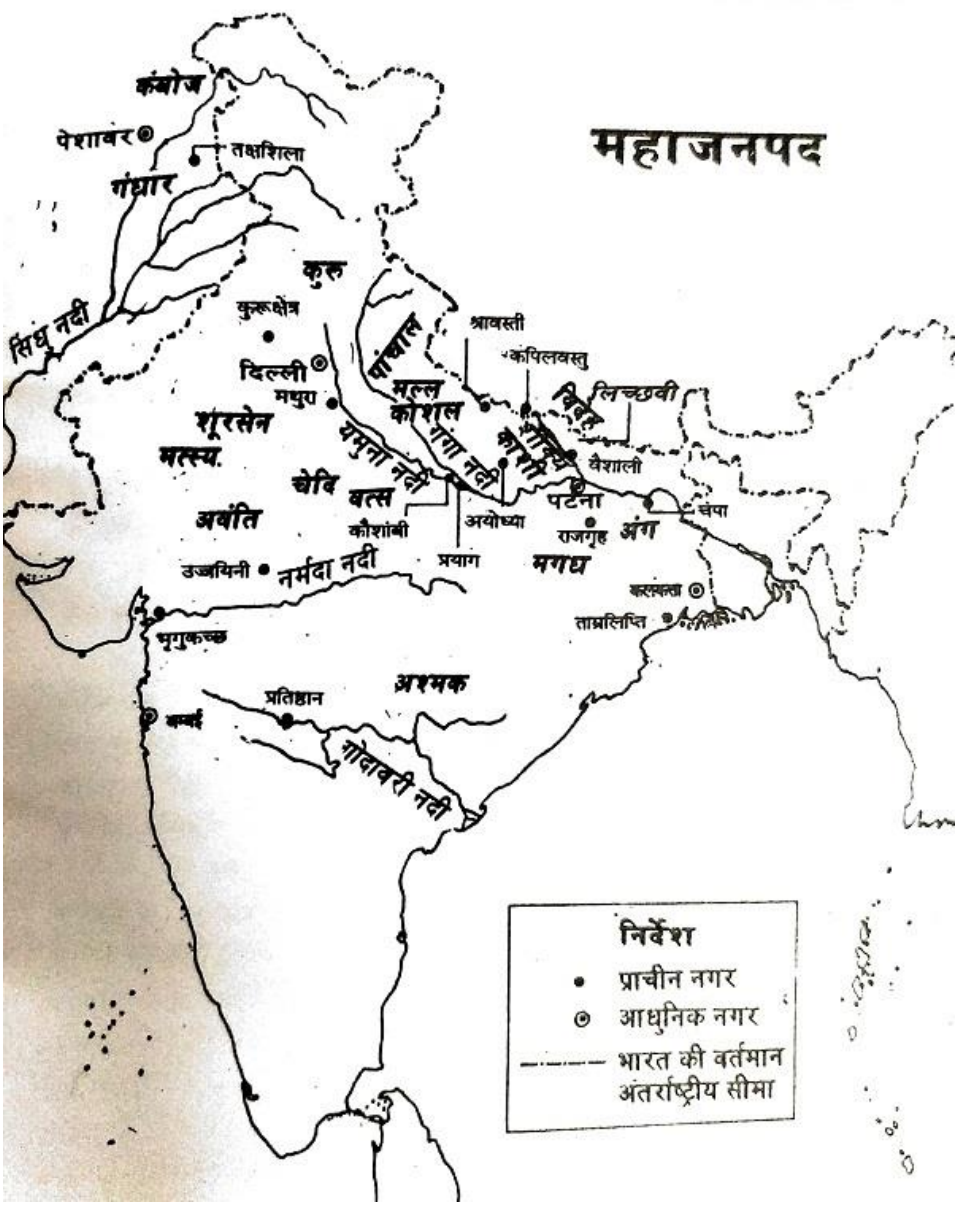

### अंग

यह महाजनपद मगध राज्य के पूर्व में स्थित था. इसकी राजधानी **चंपा** थी. आधुनिक भागलपुर और मुंगेर का क्षेत्र इसी जनपद में शामिल था. गौतम बुद्ध के समय में इस राज्य का मगध के साथ संघर्ष चलता रहा. संभवतः प्रारभ में अंग ने कुछ समय के लिए मगध को पराजित कर अपने में शामिल कर लिया. लेकिन शीघ्र ही इस जनपद की शक्ति क्षीण हो गयी और बिम्बिसार नामक शासक ने न केवल मगध को अंग से स्वतंत्र कराया बल्कि उसने अंग को भी अपने अधीन किया. कालांतर में यह राज्य मगध राज्य का ही हिस्सा बन गया.

### मगध

बौद्ध साहित्य में इस राज्य की राजधानी **(गिरिव्रज या राजगीर)** और निवासियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है. वर्तमान पटना और गया जिलों के क्षेत्र इसके अंग थे. अथर्ववेद में भी इस राज्य का उल्लेख है.

### काशी

इसकी राजधानी **वाराणसी (बनारस)** थी. काशी के कौसल, मगध और अंग राज्यों से सम्बन्ध अच्छे नहीं रहे और प्रायः उसे उसने संघर्षरत रहना पड़ा. गौतम बुद्ध के समय में काशी राज्य का राजनैतिक पतन हो गया.

### वृज्जि या वज्जि संघ

यह महाजनपद मगध के उत्तर में स्थित था. यह संघ आठ कुलों के संयोंग से बना और इनमें चार (विदेह, ज्ञातृक, वज्जि और लिच्छवि) कुल अधिक प्रमुख थे. **विशाल** इस संघ की राजधानी थी.

### कोसल

इन जनपद की सीमाएँ पूर्व में सदानीर नदी (गण्डक), पश्चिम में पंचाल, सर्पिका या स्यन्दिका नदी (सई नदी) दक्षिण और उत्तर में नेपाल की तलपटी थी. सरयू नदी इसे (कोसल जनपद को) दो भागों में विभाजित करती थी. एक उत्तरी कोसल जिसकी राजधानी **श्रावस्ती** थी और दूसरा दक्षिणी कोसल, जिसकी राजधानी **कुशावती** थी.

### मल्ल

यह जनपद वज्जि संघ के उत्तर में स्थित एक पहाड़ी राज्य था. इसके दो भाग थे जिनमें एक की राजधानी **कुशीनगर** (जहाँ महात्मा बुद्ध को निर्वाण प्राप्त हुआ) और दूसरे भाग की राजधानी **पावा** (जहाँ वर्धमान महावीर को निर्वाण मिला) थी.

### चेदि

यह महाजनपद यमुना नदी के किनारे स्थित था. यह आधुनिक बुन्देलखंड के पूर्वी भाग और उसके समीपवर्ती भूखंड में फैला हुआ था. महाभारत के अनुसार "शुक्तिमती" इसकी राजधानी थी लेकिन "चेतियजातक" के अनुसार "सोत्थिवती" इसकी राजधानी थी. महाभारत के अनुसार शिशुपाल यहीं का शासक था.

### वत्स

काशी के पश्चिम भाग में प्रयाग के आसपास क्षेत्र में यह जनपद स्थित था. **कौशाम्बी** इसकी राजधानी थी. बुद्ध के समय में इसका शासक उदयन था.

### कुरु

उत्तर वैदिक साहित्य में इस जनपद के पर्याप्त विवरण प्राप्त होते हैं. इसके थानेश्वर (हरियाणा राज्य में) दिल्ली और मेरठ का क्षेत्र सम्मिलित थे. इसकी राजधानी **इन्द्रप्रस्थ (हस्तिनापुर)** थी.

### पंचाल

यह जनपद उत्तर वैदिक काल में ही प्रसिद्ध था. इसमें वर्तमान रूबेलखंड और उसके समीप के कुछ जिले सम्मिलित थे. इसके दो भाग थे – उत्तरी पंचाल और दक्षिणी पंचाल. उत्तरी पंचाल की राजधानी **अहिच्छत्र** और दक्षिणी पंचाल की राजधानी **काम्पिल्य** थी. मूलतः यह जनपद एक राजतंत्र था लेकिन संभवतः कौटिल्य के काल में यहाँ गणतंत्रीय शासन व्यवस्था हो गयी.

### मत्स्य

इस जनपद में आधुनिक राजस्थान राज्य के जयपुर और अलवर जिले शामिल थे. **विराट नगर** संभवतः इसकी राजधानी थी. सम्भवतः यह जनपद कभी चेदि राज्य के अधीन रहा था.

### शूरसेन

मथुरा और उसके आसपास के क्षेत्र इस जनपद में शामिल थे. आधुनिक **मथुरा नगर** ही इसकी राजधानी था. बौद्ध ग्रन्थों में अयन्तिपुत्र शूरसेन राज्य का उल्लेख मिलता है. वह बौद्ध धर्म का अनुयायी और संरक्षक था.

### अस्सक या अस्मक

यह राज्य गोदावरी नदी के किनारे पर स्थित था. पाटेन अथवा **पोटन** इसकी राजधानी थी. पुराणों के अनुसार इस महाजनपद के शासक इक्ष्वाकु वंश के थे. जातक कथाओं में भी इस जनपद के अनेक राजाओं के नामों की जानकारी मिलती है.

### अवन्ति

अवंति राजतंत्र में लगभग उज्जैन प्रदेश और उसके आसपास के जिले थे. पुराणों के अनुसार पुणिक नामक सेनापति ने यदुवंशीय वीतिहोत्र नामक शासक की हत्या करके अपने पुत्र प्रद्योत को अवन्ति की गद्दी पर बैठाया. इसके अंतिम शासक नन्दवर्धन को मगध के शासक शिशुनाग ने पराजित किया और इसे अपने साम्राज्य का अंग बना लिया. यह महाजनपद दो भागों में विभाजित था. उत्तरी भाग की राजधानी **उज्जयिनी** और दक्षिणी भाग की राजधानी **महिष्मति** थी.

### कम्बोज

यह राज्य गांधार के पड़ोस में था. कश्मीर के कुछ भाग जैसे राजोरी और हजार जिले इसमें शामिल थे. संभवतः **राजपुर या हाटक** इसकी राजधानी थी.

### गांधार

इस जनपद में वर्तमान पेशावर, रावलपिण्डी और कुछ कश्मीर का भाग भी शामिल था. **तक्षशिला** इसकी राजधानी थी. गांधार का राजा पुमकुसाटी गौतम बुद्ध और बिम्बिसार का समकालीन था. उसने अवंति के राजा प्रद्योत से कई युद्ध किए और उसे पराजित किया. इसकी राजधानी विद्या का केंद्र था. देश-विदेश से विद्यार्थी यहाँ शिक्षा प्राप्त करने आते थे.